

DPN 5328

Title: विभिन्न विधि (कर्म विधि?) VIBHINNA VIDHI (KARMA
VIDHI)

Run. No. 6019

Cat. No.

Micro. No.

Subject विधि Ritual

Religion: Hindu / Bauddha

Language: Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. /

Size in cms. 8 x 18

Folios 18

Lines (in a page) 23 / 24

Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor Laksminidhar Sarmā Pulrā

Date: NS / SS / VS / KS 828

Ruler / place Śrī cakradhara Sarmā
Purnacandī (Gābāhal) Lalitpur

Script: New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus.: Horizontal writing

Material: palmleaf / paper / thyaśaphu /

Condition: fine / damaged by worms, rats, water / Some event notations 9 NS 828,
Folio 10m. Dark

Beginning, colophon, post-colophon:

Col. 1. इति अन्नप्राशन विधि ॥ 2. इति चुडा कर्णकर्मा भेद विधि-
3. इति काच वन्धन विधि 4. इति सेदुयया विधि. 5. इति वगजि-

25
15
10
5
0 cms. 5 10 15 20 25

संस्कृतशिक्षा ४

नवावामा ॥ ४ ॥ इति राविदगा
॥ ५ ॥ इति यशस्वीकयाला ॥

गुतसमुपधनं ॥ ६ ॥ अमन ॥
७ ॥ तापुस्यसुदमा ॥ १ ॥ संसक
पुत्रय ॥ ८ ॥ इति युगैकपय
विदवगाय ॥ ९ ॥ युनन्नादिवा
॥ १० ॥ अयत्तमायकविनीती
शा ॥ ११ ॥ इति वाक्यमयित ॥ १२ ॥
महीश्रीयुधि ॥ १३ ॥ युवाकुमा ॥
॥ १४ ॥ नीवान्धावा ॥ १५ ॥ नक्षत्रा
॥ १६ ॥ अयत्तमायकविनीती
यनन ॥ १७ ॥ संसकपुत्रययुनि ॥
॥ १८ ॥ इति युगैकपय ॥

इति युगैकपय ॥ १९ ॥
इति युगैकपय ॥ २० ॥
इति युगैकपय ॥ २१ ॥
इति युगैकपय ॥ २२ ॥
इति युगैकपय ॥ २३ ॥
इति युगैकपय ॥ २४ ॥
इति युगैकपय ॥ २५ ॥

नतावलिपुजनं ॥ २६ ॥ अमन ॥
गा ॥ २७ ॥ अमन ॥ २८ ॥ अमन ॥
नूनाय ॥ २९ ॥ अमन ॥ ३० ॥ अमन ॥
नयन ॥ ३१ ॥ अमन ॥ ३२ ॥ अमन ॥
कलवलिपुजनं ॥ ३३ ॥

महानकपयतायरा ॥

नतावलिपुजनं ॥ ३४ ॥ अमन ॥
गा ॥ ३५ ॥ अमन ॥ ३६ ॥ अमन ॥
नूनाय ॥ ३७ ॥ अमन ॥ ३८ ॥ अमन ॥
नयन ॥ ३९ ॥ अमन ॥ ४० ॥ अमन ॥
कलवलिपुजनं ॥ ४१ ॥
इति युगैकपय ॥ ४२ ॥
इति युगैकपय ॥ ४३ ॥
इति युगैकपय ॥ ४४ ॥
इति युगैकपय ॥ ४५ ॥
इति युगैकपय ॥ ४६ ॥
इति युगैकपय ॥ ४७ ॥
इति युगैकपय ॥ ४८ ॥
इति युगैकपय ॥ ४९ ॥
इति युगैकपय ॥ ५० ॥

नतावलिपुजनं ॥ ५१ ॥ अमन ॥
गा ॥ ५२ ॥ अमन ॥ ५३ ॥ अमन ॥
नूनाय ॥ ५४ ॥ अमन ॥ ५५ ॥ अमन ॥
नयन ॥ ५६ ॥ अमन ॥ ५७ ॥ अमन ॥
कलवलिपुजनं ॥ ५८ ॥
इति युगैकपय ॥ ५९ ॥
इति युगैकपय ॥ ६० ॥
इति युगैकपय ॥ ६१ ॥
इति युगैकपय ॥ ६२ ॥
इति युगैकपय ॥ ६३ ॥
इति युगैकपय ॥ ६४ ॥
इति युगैकपय ॥ ६५ ॥
इति युगैकपय ॥ ६६ ॥
इति युगैकपय ॥ ६७ ॥
इति युगैकपय ॥ ६८ ॥
इति युगैकपय ॥ ६९ ॥
इति युगैकपय ॥ ७० ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

शुभाष्टमिद्युतं शुभाष्टमिद्युतं

25

15

10

5

0

विनाशात्तममसुधुवाज
 ना॥ यजुः॥ उ॥ ना॥ ७॥ स॥
 स॥ वत्स॥ ना॥ ७॥ स॥ वत्स॥ ना॥ स॥
 ना॥ ७॥ अ॥ य॥ य॥ ना॥ ह॥ वि॥ क॥ ना॥ ७॥ स॥
 य॥ न॥ नि॥ क॥ य॥ य॥ य॥ य॥ य॥ य॥ य॥
 (भे॥ या॥ य॥ स॥ ना॥ नी॥ श्र॥ म॥ ल॥ य॥
 जि॥ क॥ क॥ ला॥ व॥ ज॥ पु॥ क॥ ला॥ य॥
 य॥ न॥ सो॥ द॥ क॥ व॥ ४॥ य॥ न॥ वा॥ ह॥
 ति॥ ४॥ य॥ न॥ य॥ वा॥ व॥ ४॥ य॥ ह॥ ति॥
 स॥ श्र॥ न॥ भा॥ क॥ न॥ ना॥ व॥ क॥ न॥
 ना॥ म॥ उ॥ य॥ क॥ न॥ य॥ दि॥ भा॥ य॥ य॥
 ना॥ ह॥ दि॥ न॥ म॥ वा॥ ज॥ क॥ द॥ य॥ श्र॥
 न॥ मि॥ ॥ ७॥ अ॥ मि॥ र॥ मि॥ य॥ म॥ ना॥ ज॥
 न॥ व॥ द॥ य॥ न॥ म॥ द॥ क॥ न॥ म॥ न॥ म॥
 अ॥ स॥ द॥ अ॥ क॥ क॥ क॥ न॥ ज॥ स॥
 वि॥ ना॥ य॥ ॥ ७॥ य॥ म॥ ह॥ वि॥ न॥ मि॥ न॥
 म॥ ॥ य॥ ना॥ ॥ ७॥ उ॥ द॥ य॥ ना॥ ॥ ७॥
 द॥ स॥ द॥ व॥ द॥ नि॥ क॥ वे॥ त॥ ॥
 द॥ ना॥ वि॥ य॥ य॥ म॥ य॥ य॥ ना॥ वा॥ व॥
 क॥ द॥ क॥ मा॥ क॥ न॥ य॥ य॥ ना॥ य॥
 न॥ ॥ व॥ न॥ य॥ य॥ य॥ ॥ ७॥ उ॥ य॥ य॥
 वा॥ ॥ ७॥ अ॥ य॥ ना॥ ना॥ ज॥ सा॥ व॥ क॥
 वा॥ ना॥ न॥ स॥ न॥ स॥ गी॥ वी॥ य॥ ना॥ वा॥

ना॥ य॥ ना॥ ७॥
 वा॥ व॥ द॥ ७॥ व॥ द॥ ७॥
 अ॥ न॥ ना॥ ७॥ अ॥ मि॥ दि॥ मि॥ दि॥ ह॥ ना॥
 न॥ ७॥ ७॥ सु॥ य॥ ७॥ मि॥ ग॥ न॥ ना॥ ७॥ द॥ य॥
 ना॥ ७॥ स॥ मि॥ त॥ ७॥ स॥ क॥ ल॥ य॥ ७॥ स॥
 सि॥ या॥ वा॥ वि॥ क॥ म॥ न॥ क॥ मा॥ ना॥
 ल॥ य॥ म॥ क॥ म॥ हि॥ स॥ व॥ सो॥ ना॥
 वा॥ म॥ ना॥ ७॥ मि॥ स॥ व॥ ता॥ स॥ म॥ वि॥ क॥
 ना॥ क॥ न॥ ना॥ अ॥ न॥ य॥ नी॥ य॥ वा॥ वि॥ वा॥
 र॥ व॥ त॥ न॥ ७॥ य॥ म॥ क॥ ७॥ य॥ ज॥ मा॥ ना॥
 य॥ ७॥ दि॥ ॥ ॥ सि॥ य॥ मा॥ द॥ ॥ ७॥ नी॥ य॥
 न॥ ल॥ की॥ ॥ ज॥ न॥ की॥ द॥ न॥ सा॥ ना॥ न॥ ल॥
 वा॥ का॥ वा॥ ७॥ अ॥ क॥ क॥ ॥ जा॥ या॥ ७॥
 अ॥ न॥ य॥ ता॥ ॥ ॥ व॥ य॥ स॥ वि॥ य॥ य॥
 ७॥ य॥ ७॥ स॥ वि॥ का॥ दा॥ द॥ मी॥ द॥ वा॥
 अ॥ य॥ ना॥ कि॥ यु॥ क॥ दा॥ त॥ म॥ दा॥ वा॥ त॥
 क॥ ना॥ ग॥ नी॥ ७॥ स॥ वि॥ म॥ ७॥ ॥

cms.

5

10

15

20

25

25

15

10

5

0

उ ययः युधिगां ॥ उ विष्णु न नाद
 मसि ॥ उ अग्नि द वता ॥ उ श्री ॥ म
 कि ॥ वृया ॥ उ नसि ॥ दी य ॥ उ न
 आसि ॥ अ न ॥ उ अ न य त न ॥ ता व
 न ॥ उ न म ॥ य प ॥ य त ॥ ला ॥ ग ॥ प ॥ नि
 का ॥ उ म न ॥ इ ॥ नि ॥ इ ॥ य त ॥ सु ॥ य ॥ नि
 हा ॥ व ॥ न ॥ द ॥ र ॥ व ॥ रु ॥ ॥ ॥ ॥

न ॥ य ॥ म ॥ क ॥ ग ॥ ज ॥ य ॥ ॥ ॥ ॥ उ ॥ म
 कि ॥ उ ॥ द ॥ व ॥ ता ॥ न ॥ स ॥ क ॥ ल ॥ स ॥ न ॥ दी
 न ॥ ॥ ग ॥ म ॥ दि ॥ ता ॥ य ॥ ॥ य ॥ न ॥ त ॥ य
 श्री ॥ हि ॥ ॥ ल ॥ क ॥ स ॥ म ॥ य ॥ त ॥ ॥ क ॥ ग ॥ स
 च ॥ ले ॥ व ॥ न ॥ वि ॥ द्या ॥ न ॥ ॥ स ॥ क ॥ उ ॥ क
 ल ॥ य ॥ वि ॥ स ॥ ह ॥ न ॥ स ॥ ह ॥ य ॥ स ॥ स ॥ क
 न ॥ च ॥ व ॥ क ॥ न ॥ म ॥ नि ॥ वि ॥ स ॥ क ॥ ल ॥ म
 य ॥ म ॥ ग ॥ ल ॥ म ॥ न ॥ ल ॥ न ॥ ॥ य ॥ ज ॥ म ॥ न ॥ स
 नि ॥ क ॥ ल ॥ ग ॥ न ॥ वि ॥ व ॥ त ॥ स ॥ र्व ॥ वि ॥ वि
 य ॥ नि ॥ ध ॥ र्म ॥ म ॥ रु ॥ ॥ ॥ ॥

त ॥ ता ॥ वा ॥ क ॥ र ॥ य ॥ ज ॥ न ॥ ॥ ॥ उ ॥ द ॥ मा ॥ स ॥ न
 ॥ या ॥ दा ॥ य ॥ ॥ रु ॥ क ॥ र्ध ॥ उ ॥ द ॥ न ॥ य ॥ म
 य ॥ ती ॥ त ॥ य ॥ य ॥ वृ ॥ य ॥ दी ॥ य ॥ ॥ अ ॥ न ॥ ग
 का ॥ दि ॥ ॥ अ ॥ न ॥ म ॥ ॥ क ॥ ल ॥ य ॥ वि ॥ य ॥ ॥ ॥
 म ॥ नि ॥ क ॥ य ॥ हि ॥ क ॥ य ॥ य ॥ य ॥ त ॥ ता
 न ॥ ता ॥ क ॥ वि ॥ य ॥ ॥ म ॥ नि ॥ क ॥ य ॥ ॥ उ ॥ य
 हि ॥ न ॥ क ॥ ॥ उ ॥ स ॥ हि ॥ ना ॥ मि ॥ ता ॥ ॥ उ ॥

नि
 क ॥ क ॥ द ॥ ॥ उ ॥ य ॥ य ॥ ॥ म ॥ न ॥ ॥ उ ॥ य
 क ॥ य ॥ मा ॥ ॥ उ ॥ य ॥ य ॥ मा ॥ ॥ उ ॥ स ॥ ह ॥ न
 नी ॥ य ॥ ॥ उ ॥ वि ॥ य ॥ ॥ उ ॥ न ॥ म ॥ रु
 व ॥ य ॥ ॥ उ ॥ य ॥ मा ॥ ॥ उ ॥ अ ॥ न ॥ रु
 उ ॥ श ॥ य ॥ ॥ उ ॥ य ॥ क ॥ ॥ उ ॥ य ॥ न ॥ द
 उ ॥ य ॥ य ॥ ॥ उ ॥ नि ॥ य ॥ ना ॥ सि ॥ ॥ उ ॥ य
 न ॥ रु ॥ ॥ उ ॥ य ॥ य ॥ ॥ उ ॥ वि ॥ य
 नी ॥ ॥ उ ॥ य ॥ य ॥ ॥ उ ॥ य ॥ ॥ ॥
 व ॥ य ॥ ॥ म ॥ नि ॥ क ॥ य ॥ न
 हि ॥ न ॥ त ॥ न ॥ क ॥ ॥ उ ॥ य ॥ य ॥ क ॥ य
 क ॥ य ॥ न ॥ क ॥ ल ॥ म ॥ स ॥ न ॥ ॥ ॥

ग ॥ ता ॥ य ॥ थ ॥ क ॥ र्म ॥ का ॥ य ॥ ॥ ॥
 क ॥ ल ॥ ग ॥ व ॥ म ॥ म ॥ ख ॥ न ॥ स ॥ हि ॥ क ॥ य ॥ य
 य ॥ द ॥ वा ॥ स ॥ न ॥ ॥ क ॥ र्म ॥ या ॥ य ॥ क ॥ थ ॥ क
 दि ॥ नी ॥ स ॥ ता ॥ स ॥ ल ॥ ता ॥ का ॥ न ॥ ल ॥ य ॥ का
 ल ॥ थ ॥ स ॥ का ॥ क ॥ ल ॥ न ॥ स ॥ हि ॥ वा ॥ य ॥ य ॥
 य ॥ द ॥ या ॥ व ॥ स ॥ हि ॥ क ॥ स ॥ स ॥ न ॥ नि ॥ म ॥ रु
 न ॥ या ॥ य ॥ ॥ उ ॥ य ॥ य ॥ न ॥ व ॥ ल ॥ न ॥ ॥
 व ॥ नि ॥ ॥ क ॥ य ॥ ल ॥ र ॥ व ॥ र ॥ ल ॥ का ॥ व ॥ न ॥
 उ ॥ अ ॥ य ॥ य ॥ व ॥ द ॥ वि ॥ व ॥ का ॥ ॥ म ॥ म ॥ ल
 स ॥ व ॥ ल ॥ य ॥ नि ॥ द ॥ का ॥ य ॥ व ॥ य ॥ र ॥ ल ॥ य
 स ॥ वा ॥ य ॥ क ॥ न ॥ य ॥ ॥ अ ॥ य ॥ य ॥
 य ॥ य ॥ य ॥ ल ॥ य ॥ न ॥ द ॥ य ॥ ॥ उ ॥ स ॥ हि

0 cms. 5 10 15 20 25

[illegible]

वलि॥ निर्यान च कर्त्तव्यं भक्तं नि
 श्चयं कर्मिणः सम्यक् । कामातीतः
 नयनं गूढं रंयवतं नमाम
 हं॥ ॥ अग्रामे नमस्कृत्य वि
 लक्ष्मी नमस्कृत्य यजुर्जितं ।
 यविरं सर्वददाय न यजुर्जित
 अ नमामहं॥ ॥ कोमात्रीया
 कोमात्री मयूनायुडा नकांन
 नकवासमी । नका विन्दुम
 डाचगुप्त ध्वनी नमोस्तुते॥
 द्रुवायिवादि॥ द्रुवदेवनम
 मुख्यं कलदेवनमानम॥ क
 नेदेवनम मुख्यं दृगागृह
 नमानम॥ सर्वममलमंग
 लानि वसुधैवि साधका सम
 र्प्येयं वकलाजीनाय विनि
 मास्तुते॥ यथावानुवाच
 कवयं कवयं कवयं । नगदेव
 विद्यमानं । किं कवयं कवयं
 ॥ याजमानं स्यात् । नगदेव
 दि॥ ॥ मधुलेखिका दद्या
 नन कृपयं॥ मधुलेखिका

25

15

10

5

0

नं॥ ॥ धनं नृणां वृथं क
 दिनां सुतं तां तां सगुण
 नद्याय॥ उं सुखि गवनं रुय
 ॥ ॥ कर्मयाय नं उं क
 म्याया॥ ॥ कलमदि द किः
 गगयक॥ बा कलमदि द किः
 नं॥ ॥ कलमगी वा दी॥ उं अ
 जि कलम॥ ॥ यास॥ विमुज
 नं॥ उं उं दयं तमम॥ सुयसा
 स्थिभय॥ ॥ यक मा प्रदेय
 नमा मु रा॥ रु निधुय॥ कलम
 रिषकं क न यु॥ उं द व स
 ॥ ॥ उं न॥ उं य द य क॥ ॥
 सि नृ न॥ उं ली ज विष्ट दा सुषा नृ
 ॥ ॥ सगुण॥ उं द विजा प्रो ज क
 विष्ट विष्ट न स स वा जि न स
 न रि ना स वा क न ल ग अ य ॥
 विता विष्ट ॥ ॥ आ गी वा दी॥ उं
 वृ वा सि॥ उं दी य य स॥ विष्ट
 द द य॥ उं गी प्र ग॥ स क ल म
 उं द ॥ ॥ स रु अ न वि य नि
 कं॥ ॥ द स क न सो य॥ ॥ य
 जा यि ना य कं क य॥ व लि थ न

सं द वा वि... समाजा क
 कं य॥ की मा वा ता... म म य
 दि॥ ॥ लि हा व ल द व म म य क
 य॥ ॥ सु य क ल न र न क॥ वाः
 क ल म दि द किः॥ ॥ माल का हा क
 त क न क॥ ॥ रु नि ल ल क ल म
 न वि वि स मा क भा॥ ॥
 ला दं जा या वि वि ॥ न क स क ल
 म न य य वि वि ॥ वा क॥ य क
 मा न स्या म क व क मा मा म क ल
 म न॥ क ल म न वि... म न जा
 म म स स गुण॥ ॥ वा य द
 द॥ वा य॥ म म क र य र क॥
 उं क ल म न॥ म न म न क
 ल य य॥ क त म॥ ॥ य म क म
 स व व ल म ला व रु स क क स
 ॥ नि म क न क ल म दि स न
 क म य दी य क॥ म त द न
 वा स गु न न ल य॥ स म स न य
 म म त य श न द य॥ व रु न नि
 य क॥ जा श न द य॥ अ ग ल मा
 ल का ग य व क व द स द द त य
 व क म म निका य का व न क न
 क न क व वि न व न माल न

0 cms. 5 10 15 20 25

सिद्धकावकलंककाय॥कल
गादिमालागादिनिगमयक॥
वाचनकाय॥अक्षिकविद्य
तसिद्ध॥सगुणनजवसतव
कआनीवादिविद्य॥सदृश
नियुतिहा॥दृष्टाविस्वाकाय॥को
मागीयुजाकाय॥सुखसाक्षि
य॥आमात्रिसुखाकेसकाय॥
हंतिनामकत्रयविधि॥

अथनामकत्रयविधि॥नद
कलमभुनयायकलगय॥
लखनिसवनेगसद्यत्रयोते
वलायाचनननामकायाव
य॥सगुणसदृशवल्लुयाय
लंदन॥कोमात्रीलाजामुमाल
कयुवत॥वलिमभुजा॥अग्र
म॥ददवलिवाकनन॥दकः
माल॥वनेगतमालहने॥स
कलगावायावविधि॥दृष्टा
य॥आययन॥वाकुल्युज
अनसंकल॥आदि॥कयोधिक
यथकमसवालेकमामन
वयकावलासावावह॥नि

मकुन॥कलगासुखाननन
काकुलंभूनक॥मराठता
नदाय॥गुयालंठलायविद्य
दिवक॥आगनमालकाय
व॥द्यत्रसुयक॥यद्यग्रस
वालयसाहेति॥मिरुनसाज
वदुसथागसनामकन॥मि
रुनसारवदुससकन॥धव
सा॥थोवाकलविदिकीवि
नक॥अक्षिकवदनादिवा
क॥मयाचननननक॥आ
द॥वालियात॥सदृश
सा॥दृष्टाविस्वाकाय॥दद
क॥आवाववालकयिनने
लुखायिवनवनेगतदुभय
कमराजवस॥मिसा
खस॥दकविद्य॥सुख
नन॥कलगादिजाययक
ददवलिथलसकाय॥
हंतिनामकत्रयविधि॥

अथरुलानेपागन॥मल
जाताथसकलगावायकल
नयाय॥वलिमभुजा

मन्त्रमण्डलबुद्ध्यायाय कामा
 निर्वोमण्डलमण्डलमण्डलमण्डल
 बुद्ध्यायाय बुद्धिनिर्लेहितं प
 ण्डितं ॥ १ ॥ क्वाचययुष्टिमुम
 ल ॥ कामाविश्रादिनददवलि
 तयं जानताय नाम कजलया
 यलिर्लेदददवलिसन ॥ सक
 क्तिर्लेधुयदीयजायसुग
 प्रथमं धुनकं ॥ क्वाचययुष्टा
 मय अनेसंकलं तयः गोत्रि
 कयोदिकं तयं धुनकं ॥ यथक
 मसिवालकमामनवयकावल
 सालहं स्त्रिकिसतयावनिर्म
 कनयाय ॥ कलभादिस्त्रानगेन ॥
 धुयदीयकागतां धुनकं ॥ मतद
 तालयासंभुलमद्यसंभुलम
 दकायागनं लायलहं वनेत
 जाववालकनेकायक ॥ तानगे
 यक ॥ क्वाचययुष्टिमुम
 यक ॥ क्वाचययुष्टिमुम
 लसंयातनरियक ॥ तदयुष्टाद
 दिगविद्यतिसानतियक ॥ सवी
 णिनित्वायक ॥ अगनमालका
 तयावकलपागनयायक क

यूल ॥ यमनि नलि छा लन प
 ॥ ३ ॥ या ॥ इ ली नी ति रु न धू न
 क ॥ न सि व का व अ ग व रु टा
 न या व क ल क क य ॥ ॥ का ल
 म या न ता या व य डि ल द ल
 दो व डि उ क ॥ जा श म ला य वा
 ल क या द व न य वा ॥ १ ला या
 व जा श ग अ रु म न ल थ सा म
 ट न जा श द य क ॥ यि वा स य वा
 क क ॥ १ धा ल य या व मा म या
 ३ न ग ल क न ॥ अ ग व मा ल का
 न या व य न ज म न क न य व
 ला व य अ म क य क न क
 ३ का ल य ला द ति रु ॥ ३ अ न
 य न ॥ ३ इ डि नो मि मी ता ॥ क द
 क न क ॥ ला य का वा ठी ल क व
 ल ३ न क ॥ ध वि न व न मा ल न
 सि व का व क ल क क य ॥ य वा
 द द य ॥ य वा क क ० ३ य या
 म मा ध क या न ॥ ॥ ध न वा
 क या म रु म द ॥ या ला ध न ति
 य क ॥ व द ॥ ३ ॥ ३ ॥ ता म ३ म
 लि क म धा मा म ३ म ३ म ३ म
 मो दि या म अ या ३ सा ३ ३
 नि सा क न क य द डि य डि डि

[illegible]

धन॥३॥ मूषाभवात्त ज्ञाय
 कुशाडं निद्रानामादि॥ मूषा
 समकुशाडं निवर्तयामाद्य॥
 मूषाकदनमकुशाडं यथाय
 यं॥ यथालिमिसर्गं यमयस
 उरुमकुलं तयं निनिनआन
 र्कं॥ धनधूनकावजवरव
 लिवनमध्वसुधार्थं॥
 धनं लिनायिनहाथयूआया
 दावखालदकिवाझाया॥
 कयंनयवित्रयगा॥ यितय
 दावगिरवावाहिकंनखावक
 ॥ यरुमकुलमनिनिनसंरु
 यक॥ ॥ मूषाभवात्त मूलन
 द्रुसमधि यमकुशाडं रुद्रक
 लक्ष्मि॥ नउर्नखेनकं॥ स
 यककायधविवातयावा॥
 वालकमीलद्रुयकावरुया॥ व
 सुादितिलहिलननियकं॥ ध
 यस्ततय॥ कुवसाध्यविग॥
 वाकेरुनिनिमात्रसर्गकाय
 ॥ कुंरुदस्यनद्रुदिनेसिवा
 धननामामनक्षद्विनातउसाज

अथकाचवन्धनविश्लिष्टम्
॥७॥ लुप्तियाचकं भातकृत् यकं ॥
यजमानस्य काचवन्धनं न क
लभ्यते न वा क्य ॥ विधिधुं क
लभ्ययुजायाय ॥ मगुषयुजार
याय वै न सलिव नायुजायाय
वेद ॥ अथ न त्यागवृत्त्यति
नी ॥ यथकं मसला सा लात रु
यनिमा रुने ॥ कलभदिस्वाने
नेन ॥ काचयथकं धनकं ॥

[illegible]

25
15
10
5
0 cms. 5 10 15 20 25

प्रहरीनीव नवनवाक ॥ विधिधर्म
कलमार्गनयाया यथाकर्मस
तालावह ॥ निर्मकनवल्लि
रुपायया लैरवनहाया ॥ कलम
दिहानननक कानुयाया ॥ मुत
रुताउतानवायसगुणसदक
यासकृपतासनहोय ॥ यतास
नसयके दकिगगयकमाल
ता ॥ कलमलिषक उतसिध
सगुणहानविया ॥ मरुणाव
विधुनिष्ठा ॥ दूताविवादिमी
विधुजाकाय ॥ यितीयदावसा
नननक कलमदिजाययके
मागीयाणकुसकाय ॥ ॥ ॥
निषकृपया विधि ॥ ॥ ॥

वगजिदामवियया ॥ युनययाय
दिनस्यगुणसगुणभेदिवाया
वविधिधर्मकलमपूजायाया ॥
यथाकर्मसलासालावदि
नादिठलि ॥ कलमसखाननक
काय ॥ मतरुतालवासगुणस

निर्मक ३

दकास्यवगजिदामनखाया ॥ क
यायालाहातसवननस्वकि
यायावलमिनवगजिदामकाय
वाकधादिदकिभतयके ॥ कल
मलिषकयननायाजीवीद ॥
सरुजालमियनिष्ठा ॥ दूतावि
याकाय ॥ कीमात्रावतलनखाय
॥ मरुणसखानननक संगुण
ययनधियके ॥ नविम्यरुव
धनियाकउवजियाहा ॥ ध
लसारवत्र वियाल संगुणध
नियोधधुनकासउकागम
संधनियातेधनयावचनमि
धखानकम्वलजातकपुनय
यातविम्यकाय ॥ ॥ ॥
गजिदामविययाविधि ॥ ॥

संघायया ॥ वाक् ॥ यजमानस्य
धुकगवधनमिन्दुनात्रादन ॥
विधिधर्मकनगपूजायाया ॥ स
गुणस ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
यजकि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
सुथायया ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

यकं गौरव न स्यात् ॥ कलमभादिजात
 कसो धन कल गयो गुरु आदि
 न स कल स कुरु याय ॥ केतने
 का ॥ ग्रह स दक्षिण गयक ॥ य
 ह विमर्श नयाय ॥ ॥ धन दान
 विरुद्ध मय ह का का वलिन हा
 सोट को यो ॥ ॥ यजमान मते रु
 ताल का सगुण स द कया व स ने
 वा यो ॥ वस्त्रादि शाल काल विरय ॥ क
 ल मभादि बा क्र ध यान दक्षिण याव
 का ॥ वाचन काय ॥ कल ग विमर्श न
 याय ॥ यजमाना विषय कं च च न वि
 न्द्र व सगुण नी वृद्धि ॥ स रू आ नु वि
 यति शो ॥ वलि गभ गज गभ ग्रा म की
 म वि काय ॥ ॥ धन धा के म उ ध
 विरु ल क दू व न द व स न त न
 ॥ लि को व या व ध य स द के विरय ॥
 कले ग वि जा त की जाय ॥ जात क
 व ग डि काय ॥ सगुण न यक ॥ को मा
 विरय गुरु न काय ॥ ॥ दू व न म
 न यान धन न य ॥ जा म त क य ज ॥
 उ ग्रा म स्या ॥ स क म स य ॥ उ य न
 ह ॥ म उ ॥ उ म्हा काना मि र्द ॥ ध वि
 उ न के ॥ उ द वि का प्रा ॥ जात क य
 डि ॥ उ म्हा य न ॥ ध न य ज ॥

श्रुति वृद्धि या यज्ञा विविधा ॥
 नाय क लू य विविधा विविध क लू य
 यज्ञा या यो ॥ य ह व ध न क ल म भु न
 वा क ॥ सगुण स ॥ उ य वा स वा सा ॥
 वेता लि ॥ उ ग व उ य व र ॥ क उ र
 ला दि ज न क म वा ॥ उ य द य क ॥
 लू य ता ॥ उ व सा ॥ य वि ग ॥ व स ॥ य
 य ध क म म सा सा न ह ॥ नि म्म क म
 व लि ॥ ल र व न का य ॥ क ल म वि स न
 ग न क ॥ का ग ॥ म ग रू न उ वा स ग
 ण स द क या व ता लि व स दि न वा
 य ॥ व स वि य ॥ उ य वा स वा सा ॥ व
 ता लि न य व क ॥ च च न लू य त न
 न च क ॥ सि ध सगुण नी वृद्धि ॥ द
 क्षिण विरय क ॥ स रू आ नु वि य ति
 का ॥ दू व धि र्वा दि का य ॥ को मा वि
 य ज का य ॥ सूर्या दि स्वा न ग न क
 क ले ग वि जा त की जाय ॥ को मा ग्री म
 क से का य ॥ श्रुति नाय क लू य विविध
 अथ की म न य व ग्रा ह न वि वि ॥
 वि वि ध क ल म भु न य य ॥ स ग
 ण स य ज ॥ उ द वि का प्रा ॥ उ द
 क ग स ॥ उ व य ॥ उ व स

25

15

10

5

0

४ वा विष्णु ॥ यत्किं कृतं यत्किं कृतं
 वास ॥ वं गलि ॥ दुः ॥ भवतु याव
 न ॥ कसकसा ॥ यद्यद्यक ॥
 लं दत ॥ यद्य ॥ श्रुतिनी ॥ श्रु
 यथ ॥ ॥ सूर्य विष्णु पूजा ॥ य
 द्वा दन ॥ अष्ट विष्णु पूजा ॥
 को मा गी ॥ स वलि ॥ ग्रा स द
 खा यि खा दि स कल गी वि वि थि
 पूजा धून क ॥ जा य क र ॥ ॥
 वा क र पूजा ॥ भक्ति क यथि क
 य ॥ ॥ ॥ ला सा ल ह या व
 स्व लिका स न या र क ॥ निर्म
 क न व लि ॥ क ल ग ॥ दि त्त न त
 न क ॥ सूर्य विष्णु स ध र्म द न
 क ॥ सूर्य द द वि न र द द र्म
 या र क ॥ धू य दी य अ र्ध या र
 क ॥ म ल ल क र ॥ द कि ग र
 य क ॥ य र अ र्ध वि न र वि
 वि स र्ज न ॥ सूर्य विष्णु प्र र्म
 अ र्ध वि न र ॥ वि द न या र क ॥ अ र्ध
 या र ल र न द र ॥ म त र न र
 उ स र्ग न ल य ॥ व स र्ग य ॥ व
 ना वि क स स वि य ॥ ल र न न

य क ॥ सूर्य ग
 य क ॥ को मा गी अ क स क र ॥
 रं ति अ ल्प आ ती म र्म थ वि वि ॥
 स र्ग म र्ग यं थ र्थ या द र र्ग
 वि न्दु आ का वि न य स क ल गी
 थ र्ग म स र्ग म र्ग य ॥ ॥
 थ रि मा क र य य वि वि ॥ क ल ग
 पूजा म र्ग ति थ र्थ य ॥ यं ग र
 क स ॥ अं अ सा क मि ल ॥ यं ग
 उ य ॥ श्रु ति नी ॥ ला न ॥ उ दी य
 य र्ग ॥ अ र्क त ॥ उ क क न मि ल ॥
 मा र्ग ॥ उ ल र वि वि द र ॥ न र ॥ उ
 य र न न ॥ ल य र अ द र ल ॥
 उ र्ग म र्ग म र्ग ॥ य र र ॥ उ

cms.

5

10

15

20

25

॥ यम ॥ वीहि ॥ पूजा ॥ पून
 ॥ यथ कर्म सार्थ सिमासं
 ॥ कर्म कर्म संतं वनिमर
 ॥ कुन वलि ॥ मत रुता उवास
 ॥ गुणन बाय ॥ यामिन कथम
 ॥ पून कर्म या द्वा तसा कच कथ
 ॥ थका कर्म लख सवलि सग
 ॥ या वधन स वाच क कथ ॥
 ॥ जलमान यथ मृ तमान थ
 ॥ सिमास ॥ चत सि ॥ जको मवा
 ॥ ने पूजा या य रवति न पूरु वा
 ॥ वन यिन ॥ थन कर्म मिया ला
 ॥ हात स च तन सक्ति क वा यो
 ॥ वहा थ पूजा या य ॥ थारं हि
 ॥ दक्षिण हा य ॥ यं जमान न क
 ॥ रुत्र वीहिलू डा हा य न त
 ॥ यक थ सिमा स गं व ता वि वा
 ॥ यक ॥ कि व हा न ॥ धा हि त य
 ॥ जमान के न सिन थि स गं ॥ व
 ॥ क ॥ थ सिमा या न दक्षिण तय
 ॥ क ॥ स रु आ व कि थ नि हा ॥
 ॥ नित स खान मृ दत मृ दत वा

नभुनक ॥ यनिष्ठा ॥ वा म्र धा दि
 दक्षिण ॥ कल म्र लि थ क च न्द
 ॥ धा दि खान ॥ दृ र्वा यि र्वा का य
 ॥ को मा वी य च ल न र्वा य को मा
 ॥ वीरु जाम ना ल ॥ वं ति थ सिमा
 ॥ का य वि धि ॥ ॥ रव सि रु य र्वा
 ॥ थ र्वा र्वा लि थ क व व ता लि
 ॥ वा य क व रु को म मा ल स क ल
 ॥ ना उ थ ॥ वं नि रव सि रु य ॥

॥ आव न च य या ॥ वि धि थ क ल
 ॥ ग पूजा या य ॥ को मा वी र्वा जाम मा
 ॥ ल य च ल न र्वा य ॥ वा य ॥ य उ म
 ॥ न स्य रु र्वा र्वा लि थ क च ल म
 ॥ वृ न ॥ य थ क म्र स र्वा मृ दा म्वा
 ॥ व या र्वा लि क स ग ॥ नि म्र कु न व
 ॥ लि ॥ मत रु ता ल वा स रु दान ला
 ॥ य ॥ खान य र्वा मृ ता दि च न ना दि
 ॥ पूजा या य ॥ आवान या रु थ पू
 ॥ जा या हा वा ॥ आव या वा ग्य दा द
 ॥ दि म्र जा या लू डा हा य ल रु का
 ॥ द या का रु म द य का रु ॥ आव न
 ॥ च व क वा म्वा या हा वा ॥ वि ना
 ॥ वा य क ॥ स रु आ ल ति य नि रु
 ॥ दक्षिण ॥ कल म्र दि वि स रु

ना॥ कलभविषकचन्दनादि
भीष्टादि॥ इत्यादिवाच्यं॥
इति श्रावणं नमः॥ ॥

संवत् ४१४ माघ शुद्धि द्वितीया
यां शोभुदिन लिखितं बालशा
धनशर्मण ४ पूज्य श्रीरुक्मधन
सम्पत् ॥ ॥ ॥ गुरुमस्तु ॥

कल गयी ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥
 पुनः प्रथमः सर्वज्ञः
 ज्ञानं सा नन्दं सुप्रनायकं
 रुगवान् सर्वज्ञं कामपुत्रं
 वीर्यवान् वज्रदन्तं वीर्यवान्
 दातामादित्यं वीर्यवान्
 ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥
 यज्ञं यज्ञादिमां ॥ ॥ १० ॥
 कोमा वलि वामं हनुमानं
 लीलां ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥
 मां ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥ १० ॥
 यज्ञं वज्रं कलं विष्णुं यज्ञं
 नन्दं वीर्यवान् कामपुत्रं
 दत्तात्रेयं नन्दं विष्णुं ॥ ॥ १० ॥

[illegible]

२ वृ क नि मा २४ ल गु वा
 सै व र २२६ की रु
 श्री सु न्द न या का य ष्ठा स र वा रु य धं क णि शी ल क षि न
 मा ल्य नै व त वा कि लो या रा धे रु म या स श्री य न गू न स र वा र रु गो ॥
 सै व र २२६ मा घ पु क् १४ अ दि ल वा न श्री ३ धूर् ज व कु स धू न क् १ द रु य ता